

Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
M.B.R.R.V.Pd. Singh College, Ara

Social Perception: Information Formation

सामाजिक प्रत्यक्षीकरण: सूचना निर्माण

1. प्रस्तावना

- सामाजिक प्रत्यक्षीकरण (Social Perception) वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से हम अन्य व्यक्तियों के व्यवहार, व्यक्तित्व, इरादों और भावनाओं को समझते हैं। जब हम किसी व्यक्ति के बारे में पहली बार जानकारी प्राप्त करते हैं और उस जानकारी के आधार पर उसकी छवि बनाते हैं, तो इसे सूचना निर्माण (Information Formation) कहा जाता है।
- यह प्रक्रिया सामाजिक संज्ञान (Social Cognition) का महत्वपूर्ण भाग है और व्यक्ति के प्रति हमारे निर्णय, दृष्टिकोण तथा व्यवहार को प्रभावित करती है।

2. सूचना निर्माण का अर्थ

- सूचना निर्माण वह मानसिक प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं (जैसे – शारीरिक रूप, वाणी, व्यवहार, सामाजिक स्थिति आदि) को संगठित करके किसी व्यक्ति के बारे में एक समग्र धारणा (Impression) बनाता है।
- यह प्रक्रिया निम्न प्रश्नों का उत्तर देती है:
 - यह व्यक्ति कैसा है?
 - इसका स्वभाव क्या है?
 - क्या यह विश्वसनीय है?
 - क्या यह मित्रतापूर्ण है?



3. सूचना के स्रोत (Sources of Information Formation)

(A) प्रत्यक्ष अवलोकन (Direct Observation)

- चेहरे के भाव
- हाव-भाव (Gestures)
- शारीरिक भाषा (Body Language)
- वाणी का स्वर

(B) मौखिक संचार (Verbal Communication)

- व्यक्ति की भाषा
- विचारों की स्पष्टता
- संवाद शैली

(C) सामाजिक संकेत (Social Cues)

- वस्त्र
- सामाजिक भूमिका
- आर्थिक स्थिति

(D) पूर्व अनुभव एवं रूढ़ियाँ (Past Experience & Stereotypes)

- पूर्वाग्रह
- सांस्कृतिक धारणाएँ

4. सूचना निर्माण के प्रमुख सिद्धांत

(A) संतुलन सिद्धांत (Balance Theory)

- प्रतिपादक: Fritz Heider
- व्यक्ति अपने विचारों एवं संबंधों में संतुलन बनाए रखने की कोशिश करता है।
- यदि कोई असंगति होती है तो वह अपनी धारणा बदल सकता है।



(B) अंतर्निहित व्यक्तित्व सिद्धांत (Implicit Personality Theory)

- प्रतिपादक: Solomon Asch
- कुछ गुण "केंद्रीय गुण" (Central Traits) होते हैं जो पूरे व्यक्तित्व की धारणा को प्रभावित करते हैं।
- उदाहरण: "गर्म" (warm) और "ठंडा" (cold) जैसे शब्द।
- प्रमुख अवधारणाएँ:
 - Central Traits (केंद्रीय गुण)
 - Peripheral Traits (परिधीय गुण)

(C) संज्ञानात्मक बीजगणित मॉडल (Cognitive Algebra Model)

- प्रतिपादक: Norman H. Anderson
- व्यक्ति विभिन्न सूचनाओं को जोड़कर (Additive), औसत निकालकर (Averaging) या गुणा करके (Multiplicative) अंतिम प्रभाव बनाता है।
- सूत्रात्मक दृष्टिकोण:
 - $Impression = \Sigma (Information \times Weight)$

5. सूचना निर्माण की प्रक्रियाएँ

(A) चयन (Selection)

- व्यक्ति सभी सूचनाओं को ग्रहण नहीं करता, बल्कि चयन करता है।

(B) संगठन (Organization)

- प्राप्त सूचनाओं को मानसिक रूप से व्यवस्थित किया जाता है।

(C) व्याख्या (Interpretation)

- व्यक्ति अपनी मान्यताओं, मूल्यों एवं अनुभवों के आधार पर अर्थ निकालता है।

(D) निष्कर्ष (Inference)

- अंततः व्यक्ति किसी के व्यक्तित्व के बारे में निष्कर्ष निकालता है।



6. सूचना निर्माण को प्रभावित करने वाले कारक

(A) प्रथम प्रभाव (Primacy Effect)

- प्रारंभिक जानकारी अधिक प्रभाव डालती है।

(B) नवीनता प्रभाव (Recency Effect)

- अंतिम सूचना अधिक प्रभाव डालती है (विशेष परिस्थितियों में)।

(C) प्रभामंडल प्रभाव (Halo Effect)

- एक सकारात्मक गुण पूरे व्यक्तित्व को सकारात्मक बना देता है।

(D) रूढ़िवादिता (Stereotyping)

- समूह के आधार पर व्यक्ति का आकलन।

(E) संदर्भ प्रभाव (Context Effect)

- सामाजिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का प्रभाव।

7. सूचना निर्माण में त्रुटियाँ (Errors in Information Formation)

- मौलिक आरोपण त्रुटि (Fundamental Attribution Error)
- स्व-सेवा पूर्वाग्रह (Self-serving Bias)
- पुष्टिकरण पूर्वाग्रह (Confirmation Bias)

ये त्रुटियाँ व्यक्ति के निर्णय को पक्षपाती बना सकती हैं।

8. प्रयोगात्मक अध्ययन (Experimental Studies)

- Solomon Asch के प्रयोगों में यह सिद्ध हुआ कि केंद्रीय गुण पूरे व्यक्तित्व की धारणा को प्रभावित करते हैं।
- Fritz Heider ने सामाजिक संबंधों में संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया।



9. शैक्षिक एवं सामाजिक महत्त्व

- शिक्षक द्वारा छात्र के प्रति धारणा
- साक्षात्कार (Interview) में चयन
- वैवाहिक संबंध
- नेतृत्व चयन
- समूह व्यवहार

गलत सूचना निर्माण सामाजिक अन्याय और भेदभाव को जन्म दे सकता है।

10. निष्कर्ष

- सूचना निर्माण सामाजिक प्रत्यक्षीकरण की मूल प्रक्रिया है। यह न केवल हमारे सामाजिक संबंधों को प्रभावित करता है, बल्कि सामाजिक निर्णय, नेतृत्व, शिक्षा और संगठनात्मक व्यवहार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- संतुलन सिद्धांत, अंतर्निहित व्यक्तित्व सिद्धांत और संज्ञानात्मक बीजगणित मॉडल सूचना निर्माण को वैज्ञानिक रूप से समझने में सहायक हैं।

